परिशिष्ट 8

[कलीसिया और संस्कृति]
मृत-पूर्वजों से सम्बन्ध

प्रस्तावना। मसीहियों के पास परमेश्वर के राज्य की संस्कृति के अनुरूप अपने स्वयं के सांसारिक-दृष्टिकोण, विचार, सत्य, दृढ़ विश्वास, विश्वास, मूल्य, दृढ़-संकल्प, अनुभव, व्यवहार, सम्बन्ध और प्रशिक्षण को बदलने का ईश्वरीय उत्तरदायित्व है! इस शिक्षा में हम अपने मृत-पूर्वजों के साथ सम्बन्धों पर विचार करेंगे।

कुछ संस्कृतियों में, किसी के मृत-पूर्वजों से सम्बन्ध पर बहुत अधिक ज़ोर दिया जाता है। मृत-पूर्वजों की आत्माओं को उनकी उपस्थिति के रूप में निम्न स्थानों पर देखा जाता है :

- जिस घर में वे रहते थे
- जिस कब्र पर उनका शरीर गाड़ा गया था
- किसी विशेष स्थान पर, जैसे कि मंदिर में
- या एक ताबीज़ में जो वे पहनते थे या उनके घर में जहाँ वह रखा है।

बाइबल मृत-पूर्वजों की आत्माओं के विषय के बारे में क्या सिखाती है?
मृत-पूर्वजों की आत्माओं और दुष्ट आत्माओं में क्या अन्तर है?

क. पूर्वजों के मरने के बाद उनकी आत्माओं के रहने का स्थान

पढ़ें लूका 16:22-23

खोजें और चर्चा करें। शारीरिक रूप से मरने के बाद पूर्वजों की आत्माएँ कहाँ जाती हैं?

ध्यान दें। जब *अविश्वासी* मर जाते हैं, तो उनकी मानवीय प्रेतात्माएँ (आत्माएँ) तुरन्त ही *नरक* में चली जाती हैं, जहाँ उन्हें पीड़ा होती है। " "नरक" वह स्थान है जहाँ :

- "परमेश्वर स्वयं को बे-गवाह छोड़ देता है, फलवन्त ऋतु में आकाश से वर्षा देकर भलाई नहीं करता, लोगों को बहुतायत से भोजन नहीं देता, और उनके हृदयों को आनन्द से नहीं भरता" (प्रेरितों 14:17)।
- "आप प्रभु के सामने से, और उसके सामर्थ्य के तेज से दूर हो गए हैं (2 थिस्सलुनिकियों 1:9)
- "आप परमेश्वर द्वारा त्यागे हुए महसूस करते हैं" (मत्ती 27:46)!
- "आप मर नहीं सकते और आपके दर्द व दु:ख को शान्त नहीं किया जा सकता" (मरकुस 9:48)।

लेकिन जब *मसीह में विश्वासियों* की मृत्यु हो जाती है, तो उनकी मानवीय प्रेतात्माएँ (आत्माएँ) तुरन्त ही स्वर्ग में चली जाती है, जहाँ वे मसीह की उपस्थिति में हमेशा के लिए रहेगी (सभोपदेशक 12:7; यूहन्ना 14:1-3; 2 कुरिन्थियों 5:1-2; फिलिप्पियों 1:23; प्रकाशितवाक्य 6:9-11; प्रकाशितवाक्य 20:4)।

इसलिए, मृत-पूर्वजों की आत्माएँ या तो नरक में हैं या स्वर्ग में और पृथ्वी पर वे कभी भी उपस्थित नहीं हैं! इसी सच्चाई से मसीही बालकों को अपने गैर-मसीही माता-पिता और अन्य परिवार के सदस्यों के साथ सुसमाचार की बातों को बाँटना चाहिए, जबकि वे अभी भी पृथ्वी पर जीवित हैं!

ख. पृथ्वी पर रहने वाले लोगों पर मृत-पूर्वजों की आत्माओं का प्रभाव

पढ़ें सभोपदेशक 9:5-10

खोजें और चर्चा करें। जब पृथ्वी पर रहने वाले लोग मृत्यु की स्थिति तक पहुँच जाते हैं तो उसका अन्य लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ध्यान दें। जबकि शरीर कब्र में निहित है, एक मृत-व्यक्ति की प्रेतात्मा (या आत्मा) या तो नरक में हैं या स्वर्ग में। बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि मृत लोगों की प्रेतात्माओं (आत्माओं) का पृथ्वी पर रहने वाले लोगों के जीवन से कोई सम्बन्ध नहीं है! मृत-पूर्वजों की आत्माएँ पृथ्वी पर नहीं हैं और न ही पृथ्वी पर रहने वाले किसी भी व्यक्ति या घटना पर उनका कोई प्रभाव पड़ सकता है!

- मृत-पूर्वजों की आत्माएँ घर में नहीं रहतीं, जहाँ वे पहले रहते थे।
- मृत-पूर्वजों की आत्माएँ कब्र में नहीं रहतीं, जहाँ उनके शरीर गाड़े जाते हैं।
- मृत-पूर्वजों की आत्माएँ मंदिरों में नहीं रहतीं, जहाँ उन्हें स्मरण किया जाता है, या जहाँ उन्हें सम्मानित या उनकी उपासना भी की जाती है।
- मृत-पूर्वजों की आत्माओं ताबीज में नहीं पाई जाती।

मृत-पूर्वजों की आत्माएँ पृथ्वी पर कहीं भी उपस्थित नहीं हैं! पूर्वजों की आत्माएँ या तो नरक में हैं (यदि वे गैर-मसीही थे) या स्वर्ग में (यदि वे मसीही थे)। बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि मृत-पूर्वजों की आत्माएँ पृथ्वी पर रहने वाले लोगों को द्वेष या ईर्ष्या नहीं दिखा सकती। वे स्वयं का बदला नहीं ले सकती और न ही किसी भी तरह से लोगों को नुकसान पहुँचा सकती हैं, क्योंकि किसी भी व्यक्ति या किसी भी घटना पर उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता!

ग. सहायता के लिए मृत लोगों की आत्माओं को पुकारना

खोजें और चर्चा करें। मृत लोगों की आत्माओं को सहायता के लिए पुकारना लोगों के लिए व्यर्थ क्यों है?

1. मृत-पूर्वजों की आत्माओं को पृथ्वी पर रहने वाले लोगों या यहाँ पर होने वाली घटनाओं के विषय में कोई जानकारी नहीं है!

पढ़ें सभोपदेशक 9:5-10

ध्यान दें। पृथ्वी पर लोगों को बुद्धिमानी की सलाह देने के लिए उनके पास कोई ज्ञान नहीं हैं। वे पृथ्वी पर लोगों की योजनाओं को प्रभावित नहीं कर सकतीं। वे पृथ्वी पर लोगों की सहायता नहीं कर सकतीं, क्योंकि वे पृथ्वी पर नहीं हैं! बाइबल सिखाती है कि मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर घटने वाली किसी भी प्रकार की गतिविधि में आत्माएँ शामिल नहीं हो सकती हैं!

2. दुष्ट आत्माएँ, मृत-पूर्वजों की आत्माओं की नकल कर सकती हैं।

पढ़ें 1 शमूएल 28:8-14; यूहन्ना 8:44; 2 कुरिन्थियों 11:14

ध्यान दें। जब राजा शाऊल भूत-सिद्धि करने वाली स्त्री से मिला, तो उसने सोचा कि उसने मृत भविष्यद्वक्ता शमूएल की आवाज़ को सुना है। हालाँकि, यह शायद एक दुष्ट आत्मा थी जो शमूएल की आवाज की नकल कर रही थी। शाऊल ने शमूएल को नहीं देखा और यहाँ तक कि भूत-सिद्धि करने वाली स्त्री ने यह भी नहीं कहा कि उसने शमूएल को देखा। इसके बजाय, उस भूत-सिद्धि करने वाली स्त्री ने केवल "एक देवता को (एक दुष्ट आत्मा जो दुष्ट आत्माओं की दुनिया से सम्बन्धित थी) (Hebrew: elohim) पृथ्वी में से चढ़ते हुए देखा था जो बागा ओढ़े हुए एक बूढ़े आदमी की तरह दिखता था" (1 शमूएल 28:13-14)।

जो लोग मानते हैं कि मृत लोगों की आत्माओं से सम्पर्क किया जा सकता है या इस संसार पर उनका प्रभाव हो सकता है वे सभी दुष्ट आत्माओं या देवताओं के वश में हैं और वे उन्हें भरमा रहे हैं। वे झूठी हैं और यीशु सिखाता है कि *शैतान झूठा है वरन् झूठ का पिता है* (यूहन्ना 8:44)। और प्रेरित पौलुस सिखाता है कि शैतान *स्वाँग रचता है* या उसके अलावा किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण कर उसकी नकल करता है (2 कुरिन्थियों 11:14)। शाऊल और उस भूत-सिद्धि करने वाली स्त्री ने वास्तव में क्या देखा, वह शाऊल की आत्मा नहीं थी, बल्कि एक दुष्ट आत्मा या दैत्य आत्मा थी जिसने शमूएल की आवाज़ की नकल की!

घ. सहायता के लिए मृत मसीहियों की आत्माओं को पुकारना

पढ़ें अय्यूब 14:21; यशायाह 63:16; इब्रानियों 7:25; 1 यूहन्ना 2:1

खोजें और चर्चा करें। मसीही जन सहायता के लिए मृत मसीहियों (संतों) की आत्माओं को क्यों नहीं बुला सकते?

ध्यान दें। कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि विशेष विख्यात मृत मसीहियों की आत्माओं से, जो "संत" कहलाते थे उन्हें बुलाकर उनसे जो स्वर्ग में हैं (परमेश्वर, यीशु या मरियम के साथ), मध्यस्थता का अनुरोध किया जा सकता है। ये लोग इन तथाकथित "संतों" का आदर करते हैं (गहरे सम्मान या स्वीकृति के साथ) और उनकी मध्यस्थता और सहायता की अभिलाषा करते हैं।

हालाँकि, बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि मृत संतों की आत्माएँ पृथ्वी पर रहने वाले लोगों और घटनाओं से अनजान हैं और पृथ्वी पर रहने वाले लोगों और घटनाओं से उनका कोई सम्बन्ध नहीं हैं। अय्यूब के अनुसार, मृतकों की आत्माओं को यह नहीं पता था कि पृथ्वी पर उनके बच्चे अमीर हो रहे हैं या बहुत गरीब। और यशायाह के अनुसार, न तो अब्राहम और न ही याकूब की आत्माएँ, उनके वंशजों के साथ पृथ्वी पर जो कुछ भी हो रहा हैं, उन्हें देखने या सुनने

में सक्षम थीं।

पृथ्वी पर मसीहियों के लिए मध्यस्थता करने वाला एकमात्र व्यक्ति यीशु मसीह ही है! इसलिए, मसीही जन तथाकथित "कलीसियाई संतों" या उनके पूर्वजों से प्रार्थना नहीं कर सकते। इसके विपरीत, बाइबल सिखाती है कि मसीहियों को केवल यीशु मसीह के नाम से और पवित्र आत्मा की अगुवाई में परमेश्वर, पिता से प्रार्थना करनी चाहिए (मत्ती 4:10)।

ङ. सहायता के लिए दुष्ट आत्माओं या देवताओं को पुकारना

खोजें और चर्चा करें। लोग सहायता के लिए दुष्ट आत्माओं या देवताओं को क्यों नहीं बुला सकते?

ध्यान दें। आधुनिक आत्माओं को बुलाने वाले या भूत-सिद्धि करने वाले (भविष्य बताने वाले) जो यह दावा करते हैं कि वे मृत-पूर्वजों (परिवार के सदस्यों) की आत्माओं से बात कर सकते हैं वास्तव में वे दुष्ट आत्माओं या देवताओं से बात करते हैं! दुष्ट आत्माएँ या देवता गिराए गए दूत हैं जो झूठ बोलते हैं और भरमाते हैं। अच्छी आत्माएँ या संदेशवाहक जिनसे लोग बात कर सकते हैं, वे अस्तित्व में है ही नहीं। एकमात्र अच्छी आत्मा जिससे लोग बात कर सकते हैं, वह पवित्र आत्मा है! वह लोगों को यीशु के वचनों को स्मरण कराता है, उन्हें सत्य का मार्ग दिखाता है, भविष्य की बातों से उन्हें अवगत करवाता है और यीशु मसीह की महिमा करता है (और एक या दूसरी मृत-पूर्वजों की नहीं) (यूहन्ना 14:26; यूहन्ना 16: 13-16)!

1. दुष्ट आत्माएँ झूठी संदेशवाहक हैं।

पढ़ें 2 कुरिन्थियों 11:14 - पौलुस मसीहियों को चेतावनी देता है कि दुष्ट आत्माएँ या देवता भरमाने और धोख़ा देने में माहिर हैं। वे मसीह के दूत होने का दिखावा कर सकती हैं, जबकि वास्तव में वे शैतान की संदेशवाहक हैं! वे आपके पूर्वज होने का दिखावा कर सकती हैं, जबकि वास्तव में वे दुष्ट आत्माएँ हैं!

2. दुष्ट आत्माएँ झूठे संदेश देती हैं।

पढ़ें व्यवस्थाविवरण 18:20-22; यिर्मयाह 23:25-26; 1 तीमुथियुस 4:1; मत्ती 4:5-6; यूहन्ना 8:44

पौलुस मसीहियों को चेतावनी देता है कि दुष्ट आत्माएँ (प्रेतात्मा) झूठी शिक्षाएँ देती हैं और लोगों को भरमा देती हैं। वे लोगों को, जो उन पर भरोसा करते हैं, झूठे संदेश, झूठे स्वप्न या दर्शन, झूठे एहसास व अनुभवों और कई झूठी शिक्षाएँ इत्यादि, देती हैं, जो ऐसे लगते हैं कि वे सब परमेश्वर की ओर से हैं, परन्तु वास्तव में वे शैतान की ओर से होते हैं!

शैतान भी लोगों को भरमाने के लिए बाइबल के वचनों का हवाला देता है! उसने यीशु मसीह को भरमाने के लिए पवित्रशास्त्र के वचनों का हवाला दिया (लूका 4:9-11)। यीशु मसीह मसीहियों को यह चेतावनी देता है कि "शैतान झूठा है और वरन् झूठ का पिता है"। इसलिए मसीहियों को हमेशा बाइबल की स्पष्ट शिक्षाओं के द्वारा प्रचारकों के संदेशों और लोगों के स्वप्नों, दर्शनों और अनुभवों का परीक्षण करना चाहिए!

3. परमेश्वर आत्माओं से सम्पर्क करने के लिए लोगों को मना करता है।

पढ़ें व्यवस्थाविवरण 18:9-13; लैव्यव्यवस्था 19:31; 20: 6,27; यशायाह 8:19-20

परमेश्वर लोगों को उनके पूर्वजों, दुष्ट आत्माओं, भूत-सिद्धि करने वालों (भाग्य बताने वाले) और सभी प्रकार के जादू-टोने करने वाले लोगों से सम्पर्क करने के लिए मना करता है! यशायाह 8:19-20 में लिखा है, "जब लोग तुम से कहें कि ओझाओं और टोन्हों के पास जाकर पूछो जो गुनगुनाते और फुसफुसाते हैं, तब तुम यह कहना कि क्या प्रजा को अपने परमेश्वर ही के पास जाकर न पूछना चाहिये? क्या जीवतों के लिये मुर्दों से पूछना चाहिये? व्यवस्था और चितौनी ही की चर्चा किया करो! यदि वे लोग इस वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी"।

बाइबल मसीहियों को किसी भी प्रकार की आत्मा से सम्पर्क करने से मना करती है, और मसीहियों को केवल परमेश्वर के वचन को सुनने की आज्ञा देती है! परमेश्वर मसीहियों को बाइबल का अध्ययन करने, बाइबल की सही व्याख्या करने और बाइबल की शिक्षाओं का पालन करने की आज्ञा देती है। लोग, जो इस आज्ञा को तुच्छ जानते हैं, उन्हें परमेश्वर की ओर से किसी भी प्रकार का कोई मार्गदर्शन (प्रकाश) नहीं मिलेगा! इसलिए, मसीहियों को बाइबल में प्रगट परमेश्वर की इच्छा को खोजना चाहिए! नियमावली 4, पाठ 43 और परिशिष्ट 18 देखें।

च. मृत-पूर्वजों की आत्माओं की उपासना करना

1. मसीहियों को जीवित परमेश्वर को छोड़कर किसी की भी उपासना करने के लिए मना किया गया है।

खोजें और चर्चा करें। मसीही क्यों पूर्वजों की आत्माओं की उपासना नहीं कर सकते?

ध्यान दें। मसीहियों को निम्नलिखित की उपासना या आराधना करने के लिए मना किया गया है :

- स्वर्गदूतों की (कुलुस्सियों 2:18-19)

- शैतान या उसके देवताओं की (मत्ती 4:8-10)
- अन्य लोगों की (प्रेरितों के काम 14:11-15)
- मृत-पूर्वजों की आत्माओं की

यीशु मसीह आज्ञा देता है कि मसीहियों को अपने प्रभु परमेश्वर की ही आराधना करनी चाहिए, और केवल उसी की ही सेवा करनी चाहिए (मत्ती 4:10)!

2. मसीहियों को किसी भी प्रकार के धार्मिक बलिदान चढ़ाने के लिए मना किया गया है।

खोजें और चर्चा करें। मसीही धूप क्यों नहीं जला सकते या अपने मृत-पूर्वजों को बलिदान क्यों नहीं चढ़ा सकते?

ध्यान दें।

पढ़ें 1 कुरिन्थियों 10:19-20 - प्रेरित पौलुस सिखाता है कि मूर्तियों को चढ़ाए गए बलिदान वास्तव में दुष्ट आत्माओं के लिए हैं! मूर्तियों या उनके चित्र की उपासना करना दुष्ट आत्माओं और देवताओं की मूर्तियाँ की उपासना करने के समान है। दुष्ट आत्माएँ मंदिरों, घरों, घर की वेदियों और मृतकों की कब्रों में रहना पसंद करती हैं। वे मंदिरों के समारोहों, गैर-मसीहियों के धार्मिक त्यौहारों, धूप, भोजन या धन आदि के बलिदान से जुड़े रहना पसंद करती हैं। दुष्ट आत्माओं (देवताओं) का इन सभी धार्मिक चीज़ों से सम्बन्ध हैं, क्योंकि यह उनके लिए प्रभावशाली तरीका है ताकि पृथ्वी पर रहने वाले लोगों को नियन्त्रित करें! इसलिए, मसीही जन धूप नहीं जला सकते या अपने मृत-पूर्वजों को बलिदान नहीं चढ़ा सकते, क्योंकि इस प्रकार की गतिविधियों को करना वास्तव में दुष्ट आत्माओं या देवताओं को बलिदान चढ़ाना है!

पढ़ें मत्ती 6:24; 1 कुरिन्थियों 10:21 - पौलुस कहता है कि लोग एक ही समय में देवताओं और जीवित परमेश्वर की सेवा नहीं कर सकते! लोगों को देवताओं या जीवित परमेश्वर की सेवा करना चुनना चाहिए जिसने स्वयं को बाइबल में पाए जाने वाल भविष्यद्वक्ताओं में और यीशु मसीह में प्रगट किया था!

छ. मृत-पूर्वजों को स्मरण करना

खोजें और चर्चा करें। मसीही जन अपने मृत-पूर्वजों (परिवार के सदस्यों) को क्यों स्मरण करते हैं?

ध्यान दें। बाइबल में मनुष्यों की उपासना और आराधना और मृत-पूर्वजों (परिवार के सदस्यों) की आत्माओं की उपासना और उनकी आराधना करने से मना किया गया है।

परन्तु बाइबल अतीत में हुई कुछ घटनाओं में महत्वपूर्ण लोगों को स्मरण करने के विषय में सिफारिश करती है।

1. यीशु की वंशावली को याद रखें।

पढ़ें मत्ती 1:1-17; लूका 3:23-37

नए नियम के पहले गद्यांश में यीशु मसीह की वंशावली शामिल है। यह इस तथ्य के सार को प्रस्तुत करता है कि यीशु मसीह ने पुराने नियम के प्रकाशन (मत्ती 5:17) को पूरा किया और ठीक उसी समय यह यीशु मसीह के विषय में नये नियम के प्रकाशन को भी प्रस्तुत करता है।

"याकूब से यूसुफ उत्पन्न हुआ, जो मरियम का पति था, जिससे यीशु, जो मसीह कहलाता है उत्पन्न हुआ" (मत्ती 1:16)। यूसुफ जानता था कि वह दाऊद का वंशज है (लूका 1:27) और जिब्राएल स्वर्गदूत ने इस तथ्य की पुष्टि की (मत्ती 1:20-23)। परन्तु यूसुफ यीशु का शारीरिक पिता नहीं था। वह केवल मानवीय स्वभाव के अनुसार यीशु का सांसारिक पिता था (लूका 2:4-5)।

इसके अलावा जो कुछ जिब्राएल स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था उसके द्वारा मरियम यह जानती थी वह दाऊद की वंशज है (लूका 1:32)। और महायाजक जकर्याह जानता था कि यीशु मसीह दाऊद का वंशज है (लूका 1:69)। परन्तु मरियम यीशु के मानवीय स्वभाव के अनुसार उसकी शारीरिक माता थी। मरियम से पवित्र आत्मा के सामर्थी कार्य के द्वारा परमेश्वर ने स्वयं मनुष्य रूप धारण कर लिया (लूका 1:26-38)।

मत्ती ने संभवत: सुलैमान और दाऊद (मत्ती 1:1-17) से यूसुफ, याकूब, मत्तान आदि के माध्यम से यीशु की *व्यवस्थित वंशावली* को दर्शाया, जबकि लूका ने यीशु की *सांसारिक वंशावली* को नातान और दाऊद से मरियम जिसका विवाह यूसुफ से हुआ था जो एली, मत्तान आदि का दामाद था, को दर्शाया (लूका 3:23-37)। यीशु यूसुफ का सांसारिक पुत्र था और यूसुफ एली का दामाद (न कि पुत्र) था। इस प्रकार एली मरियम का पिता था। लूका के कहने का तात्पर्य यह है जब वह यह कहता है, कि "यीशु पुत्र था, इसलिए ऐसा लगा कि यह यूसुफ के विषय में कहा गया।" इस प्रकार मत्ती ने यूसुफ की वंशावली और लूका ने मरियम की वंशावली का वर्णन किया।

मत्ती में पाई गई वंशावली में, महिलाओं के, अच्छे और बुरे दोनों के नाम शामिल हैं। बाइबल में तथाकथित "अच्छे"

लोगों के पापों का भी वर्णन किया गया है जो इस बात पर बल देता है कि प्रत्येक व्यक्ति को उद्धार की आवश्यकता है।

2. बाइबल में पाए जाने वाले उद्धार और न्याय की घटनाओं को स्मरण रखें।

पढ़ें 1 कुरिन्थियों 10:6-11

बाइबल बताती है कि पुराने नियम में घटनाएँ उदाहरण के तौर पर हुई ताकि मसीही जन अपने पूर्वजों के द्वारा किए गए बुरे कामों पर अपने हृदय को लगाने से दूर रख सकें। ये यह भी बताती है कि पुराने नियम में, परमेश्वर का न्याय जो पूर्वजों के लिए था वह आज के मसीहियों के लिए एक उदाहरण और चेतावनियाँ हैं! इस प्रकार मसीहियों को बाइबल के इतिहास में होने वाली उद्धार की घटनाओं को स्मरण रखना चाहिए!

3. विशेष रूप से बाइबल में पाए जाने वाले लोगों के विश्वास को स्मरण रखें।

पढ़ें इब्रानियों 11:7-10,24-27,32-40 पढ़ें।

इब्रानियों का अध्याय 11 पुराने नियम में पाए जाने वाले कई लोगों का स्मरण दिलाता है, जिनका विश्वासपूर्ण जीवन परमेश्वर और उसके राज्य की वास्तविकता का साक्षी है।

4. विशेष रूप से अपने पिछले अगुवों के विश्वास को स्मरण रखें।

पढ़ें इब्रानियों 13:7

ये यह सिखाता है कि मसीहियों को अपने अगुवों को स्मरण रखना चाहिए, जिन्होंने अतीत में परमेश्वर के वचन को उनसे कहा था। मसीहियों को विशेष रूप से यह विचार करना चाहिए कि उनके पिछले अगुवों ने जो कुछ प्रचार किया, वैसा ही उन्होंने उसका अभ्यास भी किया। और उन्हें अपने पिछले अगुवों के मसीही विश्वास का अनुसरण करना चाहिए।

निष्कर्ष। मसीही जन अपने पूर्वजों, अगुवों या किसी अन्य महत्वपूर्ण जन की उपासना, आराधना या उनसे प्रार्थना नहीं कर सकते। लेकिन मसीहियों को अपने पूर्वजों के अच्छे उदाहरणों और विश्वास की बातों को स्मरण रखना चाहिए और उनके उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए। मसीही लोगों ने अपने पूर्वजों से जो भी अच्छी बातें सीखी हैं उन्हें स्मरण रखना चाहिए।